जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पेण्ड्रा

बैगा जनजाति की [illegible]

आवश्यकता वर्गीकरण

कार्यालय प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पेण्ड्रा जिला– बिलासपुर (छ.ग.)

क्र./ 13 / छत्तीसगढ़ी भाषा / 2011 पेण्ड्रा दिनांक 30.04.2011

प्रति,

संचालक,
एस.सी.ई.आर.टी. शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)

विषय :– राज्य के विभिन्न भाषाओं का दस्तावेजीकरण बावत् !

संदर्भ :– एस.सी.ई.आर.टी. का पत्र क्र./ 1170 / भाषा प्रभाग / 2010–11 / रायपुर दिनांक 08.04.2011

———0———

संदर्भानुसार छत्तीसगढ़ की भाषाओं का दस्तावेजीकरण अन्तर्गत (आर.के. शर्मा) बैगा जनजाति की भाषा एवं(बी.के. सोनी) एवं पण्डो जनजाति की भाषा का दस्तावेजीकरण आपकी ओर सादर प्रेषित है ।

प्राचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
पेण्ड्रा जिला – बिलासपुर (छ.ग.)

संलग्न

1. पण्डो जन जाति (भाषा)
सीडी – 2 नग ( )
और लेख – 20 पेज

2. बैगा जन जाति (भाषा)
सीडी – 01 नग
आलेख – 15 पेज

बैगा जनजाति

बैगा भाषा का दस्तावेजीकरण

[illegible]

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी. रायपुर छ.ग.

[illegible]

श्रीमती मीता मुखर्जी

प्राचार्य डाइट पेण्ड्रा

संकलन कर्ता

श्री आर के शर्मा (व्याख्याता डाइट पेण्ड्रा) [illegible]

श्री डी आर [illegible] [illegible]

[illegible]

बैगा भाषा दस्तावेजीकरण :—

बैगा शब्द आदिवासियों के एक वर्ग के लिए प्रयुक्त किया जाता है । यह वर्ग म.प्र. के मंडला, बालाघाट, छ.ग. के बिलासपुर एवं कवर्धा जिलों के अत्याधिक दुर्गम क्षेत्रों में पाया जाता है । ये आदिवासी अविकसित स्थिति में हैं । ये लोग अत्यंत काले, उंचे, दुबले पतले, मजबूत, लचकदार शारीरिक गठन वाले होते हैं ।

ग्रियर्सन के अनुसार बैगानी वस्तुतः एक वर्ग गत बोली रूप है इस पर सीमा वर्तनी बुंदेली—व्याकरण एवं गोंडी शब्दावली का प्रभाव पड़ा है । यह एक मिश्रित जार्गन है । 1971 के जनगणना प्रतिवेदन के अनुसार बैगानी भाषियों की संख्या 3723 दर्शायी गई है । पुराने समय में यह वर्ग पहाड़ों पर निवासरत था कालान्तर में वन विभाग के द्वारा इन्हें मैदानी इलाकों में विस्थापित किया गया। वर्तमान में उनके बच्चों के विकास के लिए विभिन्न आवासीय विद्यालयों की स्थापना की जा रही है ।

गीत - बैगा भाषा

(1)

आम [illegible] झूम रहे राम लाटा झूम तो रहे
[illegible] के मुड़ा घना अमरइया
[illegible] नों रहे ।
[illegible] आम सोली मा भरे ले —2
[illegible] रस रे लाटा झू— [illegible] ([illegible])

अनुवाद

[illegible] से लदी हुई [illegible] छलौटी [illegible] से अपने आम का बगीचा [illegible] बताते हुए कहती है कि जो [illegible] अपने [illegible]

(2)

[illegible] रे [illegible] [illegible] दरबार
[illegible] रे [illegible] ।
[illegible] [illegible] रे [illegible] रे चलो रे भाई ।
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] रे चलो
[illegible] [illegible] [illegible] ,चलो रे भाई ।
[illegible] [illegible] [illegible] बान कोन धरे चकौड़ा बान
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ओ धरे ला मारे । (भरोसाराम बैगा आमानकान)

अनुवाद

[illegible] [illegible] को हंसा कहते हुएं कह रहें है कि चलो राजा के दरबार चलों [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हूँ । चलने वालो को देखकर कह रहें है कि कौन धनुश बान [illegible] [illegible] [illegible]ौड़े सिर वाले बाण या भाला कौन लंबा लाठी ले के चल रहें है [illegible] [illegible] को मारने या लड़ाई के लिए रखे [illegible] ।

(3)

[illegible] [illegible] है दिनाचारे --2
[illegible] [illegible] बाबू चार दिन खेल कूद लेई
[illegible] [illegible] है दिनाचारे
[illegible] [illegible] हे दिनाचारे--2
[illegible] [illegible] दाई बाबू ना तो इमर लईका परिवारे ।
[illegible] [illegible] बाबू चार दिन खेल कूद लेई
[illegible] [illegible] हे दिनाचारे (भरोसाराम बैगा आमानकान)

अनुवाद

[illegible] जिनगी चार दिन की है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] तक जिंदगी है दो चार दिन [illegible] [illegible] का मजा ले लो । इस संसार [illegible] [illegible] [illegible] बाप बच्चे या परिवार कोई [illegible] [illegible], हम अकेले है अकेले जाना [illegible] । इसलिए मोह में न पड़कर जो [illegible] [illegible] [illegible] में हूं उसका आनन्द ले लो

[illegible]

[illegible] [illegible] के दाइ छली लोभी गयें (भरोसाराम [illegible])

अनुवाद

[illegible] मसूर का दाल जो मैने पकाया था, उसे लालची चोरी करके ले [illegible] । [illegible] और कोई मूंग दाल पकाया, कोई सांभर का शिकार पकाया [illegible] । [illegible] पसंद मसूर की दाल जो पक चुका था, लालची चोरी करके [illegible] ।

(5)

[illegible] अंगरेज भारी
[illegible] रेलगाड़ी
[illegible] अंगरेज भारी बाबू
[illegible] रेलगाड़ी ।
[illegible] है कै कोसन गाड़ी –2
[illegible] आवय रेलगाड़ी
[illegible] भारी –2
[illegible] रेलगाड़ी ।
[illegible] है 1कोसन गाड़ी –2
[illegible] आवय रेलगाड़ी
[illegible] भारी –2
[illegible] रेलगाड़ी । (भरोसाराम [illegible])

अनुवाद

[illegible] की बुद्धि और उनकी [illegible] भारी [illegible] ऐसा दौड़ रहा है जैसे [illegible] रहा हो । इतनी बुद्धि [illegible] हवा में गाड़ी को [illegible] स्टेशन है कितने दूरी से [illegible] है. फिर भी [illegible] अंग्रेजों की बुद्धि अपार है ।

[illegible]

[illegible] मांगे मा उधारी
[illegible] जीबो रे (मंगली बाई –चुक्तीपानी)

अनुवाद

[illegible] हमारी खेती है ना तो हमारी बाड़ी है ना ही ढुढने से कुछ मिलता है हम [illegible] जियेंगे । ना तो धान कोदो मिलता है। ना तो उधार मिलता है ना [illegible] मागने से भीख मिलता है अब हम कैसे जियेंगे ।

(7)

[illegible] धरे ला हरिया
[illegible] मा बलायों रे दोष
[illegible] डोंगरी ले टेही मारे रे दोष
[illegible] बिछे ला गिटटी
[illegible] नइतो बने रे यार
[illegible] डोंगरी ले टेही मारे रे दोष
[illegible] उंघासी लागी जाय
[illegible] के जो मारे रे यार
[illegible] रोवासी लागी जाय
[illegible] के जो मारे रे दो[illegible]
[illegible] खाहुंच कहिके
[illegible] देके रे यार
[illegible] डोंगरी ले टेही मारे रे दो[illegible]
[illegible] सांगाये मुंहला
[illegible] बजावे रे यार
[illegible] डोंगरी ले टेही मारे रे [illegible] ([illegible] बाई –चुक्तीपानी)

अनुवाद

[illegible] के लिए [illegible] को [illegible] पास [illegible] देकर [illegible]

[illegible] रहा है उसमें पत्थर बिछ रहा है जिसके कारण आते जाते नही [illegible] राउत लड़का पहाड़ी के उपर से इशारा करते हुए आवाज दे [illegible] आ जाओं ।

[illegible] भोजन खाने [illegible] नींद आने लगता है उसी तरह तुम्हारे प्यार में मुझे [illegible] मैं क्या करूं यार ।जिस तरह आम खाने के लिए तोड़के ना खाये [illegible] उसी तरह मुझें धोखा दिये बुलाकरके ये कह राउत लड़का पहाड़ी से [illegible] है मैक्या करूं ।

[illegible] है कि जिस तरह पान खाने से पूरा मुह लाल हो जाता है उसी [illegible] प्यार या मोह करने से जी का काल हो जायेगा । इसलिये मुझसे [illegible] प्यार मत करो तुम्हारी जान जा सकती है । मै नही आउंगी । फिर भी [illegible] चरवाहा आवाज (सीटी) देकर बुला रहा है जो जहाड़ी के उपर है ।

(छठी में गाये जाने वाला करमा गीत)

[illegible] आ हावे सोन मुंदरी –2
[illegible] सांवर तोर अंगरी –2
[illegible] ले आवय अबिया रे डबिया –2
[illegible] आवे सोन मुंदरी
[illegible] सांवर तोर अंगरी –2
[illegible] आवै अबिया रे डबिया
[illegible] आवै सोन मुंदरी
[illegible] सांवर तोर अंगरी –2

अनुवाद

[illegible] राम ये जो सोने की अंगूठी [illegible] सांवले अंगुली पर बहुत [illegible] दिखाई दे रहा है । [illegible] से डबिया [illegible] है और सोने की अंगूठी [illegible] है जो [illegible] डिबिया [illegible] सोन [illegible] अंगूठी भी [illegible] हे राम ये [illegible] की अंगूठी बड़ी सुन्दर [illegible] है ।

[illegible] सौंर [illegible] हो
धनी कारण जिया रे ।
केकर नित धनी करेव केकर नित बूति
केकर नित धरम गिरायेंव हो
धनी कारण जिया रे ।
लइका नित धनी करेव लड़की नित बूति
अपन पति नित धरमगिरायेव हो
धनी कारण जिया रे ।

अनुवाद

मेरे ऊपर ऐसी बिपत्ति आई है कि मैं बहुत दुखी हूँ ये विपत्ति मेरे पति के कारण आई है लेकिन उसी के कारण जिंदा हूँ । मैं किसके लिए मेहनत मजदूरी किया और किसके लिए मैं अपना धर्म गिराई ये सब अपने पति के कारण किया फिर भी धनी मेरे उपर काली विपत्ति आई है । लड़का लड़की के लिए मेहनत मजदूरी किया और अपने पति के लिए मैं अपना धर्म गिराई ये सब अपने पति के कारण किया और उन्ही के कारण भी जिंदा हूँ ।

करमा

काकर [illegible] जाओं डोंगरी हे अंधियार–2
आगू हे अंगार पाछू हे पानी रे –2
[illegible] रूख राई नई तो दिखे गांव
[illegible] नई तो दिखे गांव
[illegible] संग सहेली, काखर सुधा जाओं ।
[illegible] अंधियार–2

अनुवाद

मैं किसके सहारे जाउं पहाड़ी मे अंधेरा है आगे आग और पीछे पानी है मैं [illegible] साथ जाउं ।कोई पेड़ पौधा दिखाई नहीं दे रहा है ना ही कोई गांव [illegible] है [illegible] मैं किसके [illegible] पहाड़ी [illegible] अंधेरा है

[illegible]

[illegible] ला [illegible] बछवा
[illegible] ला [illegible] रीवा के राज
[illegible] झुकते ला मांगै रीवा राज ।

अनुवाद

[illegible] पान को देखकर मेरा बेटा इसे खाने को मांग रहा है । [illegible] लिए लाल घोड़ा मांगता है उसको देखकर लगता है कि रीवा [illegible] झुकता है । मेरा बेटा का इच्छा है कि वह रीवा का राज घूमें ।

छठी गीत

[illegible] भारी चला देखा जाय
[illegible] फूल बड़ा भारी चला देखा जाय
[illegible] केखर घर मुखारी
[illegible] रूकथे भवानी
[illegible] जाय ।
[illegible] बड़ा भारी चला देखा जाय ।
[illegible] मांगै राजा के घर मुखारी –2
[illegible] रूकथे भवानी ।
[illegible] जाय ।
[illegible] भारी चला देखा जाय ।

अनुवाद

[illegible] फूल यानि की बच्चा हुआ है [illegible] सुन्दर है जो [illegible] के [illegible] दिख रहा है । चलो देखने के लिए जायेंगे । किसके घर में पान [illegible] भवानी रूकती है जो बच्चा हुआ है वह [illegible] रही है [illegible] चलें ।
[illegible] और राजा के घर [illegible] के घर से जल [illegible] देखने [illegible] जो इच्छा [illegible] चलें ।

[illegible]		झाड़ू —	बहरी
[illegible]	नईंचा	तलाब —	तलवा
[illegible]	टी.वी.	दारू —	मंद
[illegible]	पठो देबे	बाली —	तड़की
[illegible]	एगठा	थोड़ा —	चिटिक
[illegible]	जग्गे	पायल —	साटी
[illegible]	मुखारी	टोकरी —	ओड़ी
[illegible]	डाड़	काला —	कड़िया
[illegible]	बरसा	सफेद —	पंडरा
[illegible]	डोली	थैला —	ओरा
[illegible]	बलिहारि	रस्सी —	डोरा
[illegible]	मछड़ी	होली —	होरी
[illegible]	खनिहार	दीपावली —	देवारी
[illegible]	सिलाटी	दिया —	चिमनी
[illegible]	फरिका	मछली —	मछड़ी
[illegible]	गोडारी	आग —	एंगठा
[illegible]	पिरभितिया	आंगन —	डाड़
[illegible]	बच्चन	गरी —	बंसी
[illegible]	बरहा	खरही —	खड़ही
[illegible]	खार	बगुला	बोकली
[illegible]	झोय	टोकरी —	ओढली
[illegible]	अरहिरी	खुपरी —	छतेली
[illegible]	[illegible]	साफकरना	फरोड़ना
[illegible]	सुप	कहां [illegible]	कोचई
[illegible]	दाढ़	बड़ो को [illegible] —	टोका [illegible]
[illegible]	अउर	लागेव	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] फोकरी	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible] —	मछड़ी	बहुत —	नंगदे
[illegible]	फरिका	किसका —	काखर
[illegible]	[illegible]	पकाना —	रांदना
[illegible]	करई	गुस्सा होना —	रिसाना
[illegible]	नई जान	खोलना —	उघाड़ना
[illegible]	खार	रास्ता —	गल्ली
[illegible]	गघरा	मै —	मई
[illegible]	चीतल	अनाथ —	मुरहा
[illegible]	बेरा	अपना —	मोर
[illegible]	बेर	अंदर —	भितरी
[illegible]	तरइया	उधर —	होछो
[illegible]	भुरवा	अलसी —	अड़सी
[illegible]	महु	अरहर —	राहेर
[illegible]	इंची आबों	चना —	चन्ना
[illegible]	केवार	गूंम —	उरदा
[illegible]	बिसर छाड़ेन	मक्का —	जोंदरी
[illegible]	कवा	मसूर —	मछड़ी
[illegible]	बासी	चांवल —	चाउड़
[illegible]	कसी कसी	तिल —	तिल्ली
[illegible]	लाडू	गेंहू —	गोहूं
[illegible]	निचट	मैना —	मइना
[illegible]	हच्छ हो गये	खटकना —	ठेकना
[illegible] —	हेवाल	चींटी —	चांटी
[illegible]	टलिया	नाग —	डोमिन
[illegible]	पंडरा	[illegible] —	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] —	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] —	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] —	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible] —	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]	राफकटटी	रूख	पेड़
[illegible]	कोलिहा	अमरूद	बीही
[illegible]	परेवा	बैंगन	भाटा
[illegible]	गेंदरा	फल	फर
[illegible]	कनिहा	प्याज	पियाज
[illegible]	चूंदी	इमली	अमली
[illegible]	टेहना	आंवला	औंरा
[illegible]	पिठ	गेंदा	गोंदा
[illegible]	खांद	नीम	लीम
[illegible]	पांजर	बबूल	बमूर
[illegible]	नख	नारियल	नरियर
		गला	ढेटू

[illegible] बैगा आदिवासियों के बीच जाकर इस कार्य को किया । कार्य के दौरान [illegible] परेशानियों का सामना करना पड़ा । घने जंगलों में पहाड़ों पर 10 से 15 कि.मी. पैदल चलकर उनसे जानकरियाँ प्राप्त की । गीत, कविताओं का संकलन किया । जानकरी के संकलन में लोंगो ने जानकारी देने के लिए विभिन्न वस्तुओं की माँग की, रूपयें माँगे, शराब माँगी एवं बैगाओं ने कहा कि सरकार आपको इस कार्य के लिए पैसे देती है, हमें भी पैसे दो । शराब पिलाओगे तो गीत गायेंगे । [illegible] ने पहले ही शराब पी हुई थी । फिर भी शराब के लिए पैसो की माँग की, काफी समझाइस के बाद उन्होंने जानकारी उपलब्ध कराई ।

[illegible] प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के संबंध में जानकारी :—

प्रारूप के अनुसार दस्तावेजी करण के लिए [illegible] पेण्ड्रा का स्टाफ जिसमें [illegible] मुखर्जी, श्री आर. के. शर्मा, श्री [illegible], श्री [illegible]मणि गुप्ता, श्री मति [illegible] शर्मा, श्रीमति रश्मि नामदेव, श्री मति [illegible], श्रीमति स्वपनिल पवार [illegible] थे । इनकी टीम पण्ड्रा रोड तहसील [illegible] जहां बैगा बच्चों के [illegible] के लिए शासन द्वारा आवासीय आश्रम [illegible] स्थापना की गई है वहां [illegible] दिये गये प्रारूप में संबंधित जानकारी [illegible] ।

एस. सी.ई. आर. टी. रायपुर द्वारा [illegible] जानकारी एकत्र करने [illegible] जिम्मेदारी दी गई थी । इसके लिए [illegible] एवं छात्राध्यापक [illegible] भानू डी. एड. द्वितीय वर्ष एवं [illegible] का नाम का उल्लेख [illegible] चाहूँगा जिन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए [illegible] किया । मैं उन [illegible] आभारी हूँ जिनके अथक प्रयास से [illegible] । [illegible] पेण्ड्रा की [illegible] श्रीमति गीता मुखर्जी का मार्गदर्शन [illegible] कार्य के लिए सदैव [illegible] रहा । उनके [illegible] पर ही [illegible] शिविर [illegible] [illegible] ।

[illegible]